ASTRO ARPITA NATH

वैदिक ज्योतिष में दीर्घायु (आयु) की गणना कैसे करें

Arpita Nath द्वारा · उन्नत ज्योतिष नोट्स · 2026-09-10

महर्षि जैमिनी की ज्योतिष प्रणाली (**जैमिनी सूत्र**) में, आयु (**आयुर्दाय**) का निर्धारण एक संरचित गणितीय पद्धति का पालन करता है। केवल अनुमान लगाने के बजाय, जैमिनी ज्योतिष कुछ मुख्य नियमों—जिन्हें सूत्र कहा जाता है—पर निर्भर करता है, जो जीवनकाल को तीन व्यापक श्रेणियों में वर्गीकृत करते हैं, और इसके बाद समय-सीमा निर्धारित करने के लिए विशिष्ट ग्रहीय चक्रों (स्थिर दशा) का उपयोग किया जाता है।

आयु कैलकुलेटर

जैमिनी आयु गणना में लागू होने वाले सटीक सूत्र और नियम यहाँ दिए गए हैं।

1. तीन प्राथमिक आयु श्रेणियाँ

जैमिनी ज्योतिष मानव जीवनकाल को तीन प्राथमिक श्रेणियों में विभाजित करता है:

- **अल्पायु (छोटा जीवन): 0 से 32 वर्ष**
- **मध्यायु (मध्यम जीवन): 32 से 64 वर्ष**
- **पूर्णायु (दीर्घ जीवन): 64 से 96 वर्ष**

2. तीन युग्मों का सूत्र (जैमिनी आयुर्दाय योजना)

कुंडली पर कौन सी आयु श्रेणी लागू होती है, यह निर्धारित करने के लिए जैमिनी तीन प्रमुख युग्मों की राशि के प्रकारों—चर (Chara), स्थिर (Sthira) या द्विस्वभाव (Dvisvabhava)—का मूल्यांकन करते हैं:

- **युग्म 1: लग्न का स्वामी (लग्नेश) और 8वें भाव का स्वामी (अष्टमेश)**
- **युग्म 2: शनि और चंद्रमा**
- **युग्म 3: लग्न (लग्न राशि) और होरा लग्न**

3. राशि-संयोजन नियम (सूत्र नियम)

प्रत्येक युग्म के लिए राशियों का संयोजन एक विशिष्ट आयु परिणाम देता है:

- **दोनों राशियाँ चर हों या एक स्थिर + एक द्विस्वभाव हो**: यह अल्पायु (छोटा जीवन) को दर्शाता है।

• **दोनों राशियाँ द्विस्वभाव हों या एक चर + एक स्थिर हो**: यह पूर्णायु (दीर्घ जीवन) को दर्शाता है।

• **दोनों राशियाँ स्थिर हों या एक चर + एक द्विस्वभाव हो**: यह मध्यायु (मध्यम जीवन) को दर्शाता है।

4. बहुमत का नियम (तीन में से दो का नियम)

जब तीनों युग्मों की गणना हो जाती है, तो कुल आयु श्रेणी का निर्णय बहुमत के आधार पर किया जाता है:

• जो भी आयु श्रेणी 3 में से कम से कम 2 बार आती है, वही अंतिम प्राथमिक आयु श्रेणी बनती है।

• **अपवाद**: यदि तीनों युग्म तीन अलग-अलग परिणाम देते हैं (एक अल्पायु, एक मध्यायु, एक पूर्णायु), तो **लग्न और होरा लग्न के युग्म द्वारा दिया गया परिणाम अन्य परिणामों पर प्रभावी होता है**।

5. स्थिर दशा द्वारा काल-निर्धारण (ब्रह्मा ग्रहीय चक्र)

एक बार जब आयु श्रेणी (पूर्णायु: 64–96 वर्ष) निर्धारित हो जाती है, तो जैमिनी वर्षों का खाका तैयार करने के लिए स्थिर दशा का उपयोग करते हैं:

• **ब्रह्मा ग्रह की पहचान**: लग्न/7वें भाव के सापेक्ष 6ठे, 8वें और 12वें भाव के स्वामियों में से सबसे बली ग्रह को ब्रह्मा के रूप में चुना जाता है।

• **दशा का प्रारंभ**: स्थिर दशा चक्र उस राशि से शुरू होता है जिसमें ब्रह्मा ग्रह स्थित होता है।

• **स्थिर दशा में राशियों की अवधि**:
– चर राशियाँ 7 वर्ष तक चलती हैं
– स्थिर राशियाँ 8 वर्ष तक चलती हैं
– द्विस्वभाव राशियाँ 9 वर्ष तक चलती हैं

• **समय-सीमा का निर्धारण**: दशा अवधियाँ क्रमानुसार आगे बढ़ती हैं जब तक कि वे निर्धारित आयु सीमा को पूरा नहीं कर लेतीं (पूर्णायु के लिए, यह 64 से 96 वर्ष तक की अवधि को कवर करती है)।

***अस्वीकरण**: यह लेख केवल जानकारी और शैक्षिक उद्देश्यों के लिए है। जैमिनी ज्योतिष में आयु की गणना जीवन के विषयों और ऊर्जा चक्रों का विश्लेषण करने के लिए डिज़ाइन की गई पारंपरिक प्रतीकात्मक संरचनाएं हैं; वे ठोस चिकित्सीय भविष्यवाणियां या जीवनकाल के संबंध में अंतिम कथन नहीं हैं। स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती में व्यक्तिगत विकल्प, चिकित्सीय देखभाल और जीवनशैली के

कारक प्राथमिक भूमिका निभाते हैं। चिकित्सीय सलाह और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के लिए हमेशा योग्य स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों से परामर्श लें।

---

https://astroarpitanath.com/hindi/longevity-in-astrology/

ज्योतिष केवल मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए, कृपया किसी योग्य पेशेवर से परामर्श लें।